दैनिक नवज्योति 2 उदयपुर, सोमवार, 23 मार्च 2015

समारोह

महाराणा मेवाड़ वार्षिक सम्मान समर्पण समारोह

सम्मान पाकर गौरवान्वित हुई विभूतियां

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित वार्षिक अलंकरण समारोह में रविवार को देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्दसिंह मेवाड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फाउंडेशन का यह महोत्सव गुरु-शिष्य की पावन परंपरा को निरंतरता प्रदान करने के लिए हर वर्ष आयोजन किया जाता है। यहां मनुजता की महिमा के मनीषियों का सम्मान कर फाउंडेशन स्वयं सम्मानित होता है। समारोह के अध्यक्ष राष्ट्रकवि बालकवि बैरागी ने कहा कि पूरे विश्व से मनीषियों को तलाशना एवं उन्हें इतने सहज और अनुशासित तरीके से सम्मान प्रदान करना फाउंडेशन का एक ऐतिहासिक काम है। यहां पर सम्मानित किए गए मनीषी भारत के राष्ट्रपति तक बने और नोबल पुरस्कार विजेता भी रहे। फाउंडेशन के प्रवक्ता कवि पंडित नरेन्द्र मिश्र ने फाउण्डेशन के विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी दी एवं मेवाड़ के ऐतिहासिक गौरवमयी इतिहास पर कविता की पंक्तियां भी पढ़ी।

इन्हें मिला सम्मान

समारोह में राज्य स्तर पर दिए जाने वाले अलंकरणों के अन्तर्गत इस वर्ष महाराणा मेवाड़ सम्मान सुश्री कृति भारती तथा श्याम सुन्दर पालीवाल, महर्षि हारीत राशि सम्मान प्रो. ओम प्रकाश उपाध्याय एवं पं. गणपति लाल शर्मा, महाराणा कुम्भा सम्मान नारायण लाल शर्मा तथा पद्मश्री डॉ. चन्द्र प्रकाश देवल, महाराणा सज्जनसिंह सम्मान कमलेश जांगिड़, डागर घराना सम्मान अमान अली खान एवं अयान अली खान, राणा पूंजा सम्मान चुन्नी लाल गरासिया, अरावली सम्मान नवनीत गौतम एवं सुश्री सुमित्रा शर्मा को, विशिष्ट अलंकरण डॉ. शैलेन्द्र मोहन को प्रदान किया गया। राज्य के सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने का विशिष्ट सम्मान इस वर्ष झालावाड़ जिले के सरोला थाना को दिया गया। अलंकरण के तहत सम्मान राशि, तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। समारोह में महाराणा फतह सिंह अलंकरण के लिए वर्ष 2013 तथा 2014 के 70 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। भामाशाह अलंकरण के लिए वर्ष 2013 तथा 2014 के 33 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। महाराणा राजसिंह अलंकरण के लिए वर्ष 2013 तथा 2014 की श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए 10 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समारोह में फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि सम्मानित महानुभावों एवं पधारे अतिथियों से वे आशा करते हैं कि भविष्य में भी वे समारोह में कृपा बनाए रखेंगे जिससे समारोह की रफ्तार हमेशा रवानी पर रहेगी।

विभूतियां हुई गौरवान्वित

सम्मानित होने वाली विभूतियों में से हल्दीघाटी सम्मान प्राप्त पीयूष पाण्डे ने कहा कि उन्हें अपनी मातृभूमि पर सम्मान मिलने से बेहद हर्ष है। कर्नल जेम्स टॉड अवार्ड से सम्मानित प्रो. जॉन डी स्मिथ संस्कृत भाषा तथा उसकी बारीकी पर शोध करने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। पन्नाधाय सम्मान से सम्मानित अनु आगा ने बालिका शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे हर धर्म, हर व्यक्ति, हर नागरिक का दायित्व होना बताया। वहीं हकीम खां सूर अवार्ड से सम्मानित वृंदा ग्रोवर ने सामाजिक न्याय एवं घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण पर अपने विचार व्यक्त किए।

पहली बार स्टेज पर पहुंची लक्ष्यराज सिंह की पुत्री

समारोह के उपरांत फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की पुत्री पहली बार अपने दादा के साथ स्टेज पर पहुंची। वह अपने दादा अरविन्दसिंह मेवाड़ के पास और बालकवि बैरागी के बगल में लगी कुर्सी पर बैठी। उसे समारोह में आए सभी लोगों ने खड़े होकर आशीर्वाद दिया तो बालकवि बैरागी ने भी आशीष प्रदान किया।

साढ़े तीन घंटे तक खड़े रहे लक्ष्यराज सिंह

समारोह करीब साढ़े तीन घंटे तक चला। इस दौरान फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ अपने पिता की कुर्सी के पीछे खड़े ही रहे। वे एक पल भी कुर्सी पर नहीं बैठे। समारोह में देश-विदेश की हस्तियों सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह का संचालन गोपाल सोनी एवं रूपा चक्रवर्ती ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।